अंकन योजना **अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)** **सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025** **कक्षा- 10 वीं विषय: हिंदी (A) विषय कोड- 002 प्रश्न पत्र कोड- 3/6/2**	
सामान्य निर्देश:	
1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के

	लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– • उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना • उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना • उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना • उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना • आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि • आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि • कुल अंकों के योग में अशुद्धि

	● प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना ● उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना ● उत्तरों पर सही का चिह्न (✔) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✔) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) ● उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2025
प्रश्न पत्र कोड: 3/6/2

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	**उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु**	**अंक**
	[खंड - क] (अपठित बोध)	14
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(क)	(C) कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।	1
(ख)	(B) जो अक्षम और निराश होते हैं।	1
(ग)	(A) अपनी ही धुन पर थिरकते गायक मंडली से	1
(घ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त आशय लिखेंगे- • जीवन के नए रास्ते कवि स्वयं निर्मित करना चाहता है। • लीक पर चलने की जगह स्वयं के संघर्षों से प्राप्त उपलब्धियाँ कवि को आत्मिक संतुष्टि देती हैं और प्रिय लगती हैं। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * उपयुक्त आशय लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * उपयुक्त आशय न लिख पाने परंतु काव्य-पंक्ति के अर्थ से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • जीवन में सतत आगे बढ़ने की • जीवन के प्रति आशावान बने रहने की • बेफिक्र होकर सपने देखने और जीवन जीने की • अपने स्वभाव और इच्छा के अनुकूल जीवन जीने की • धैर्य, स्वाभिमान, संकल्प, उत्साह, आनंद, आत्मविश्वास से पूर्ण जीवन जीने की	2

	(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(क)	(A) नैतिक मूल्यों का ज्ञान	1
(ख)	(B) समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण	1
(ग)	(C) कथन सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।	1
(घ)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान उन्हें विकास के मार्ग पर अग्रसर करने के कारण • जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करने के कारण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • शिष्य के व्यक्तित्व को आकार देने के कारण • शिष्य की कमियों को पहचान कर दूर करने के कारण * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------	2

	* असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	काशी संस्कृति की पाठशाला और शास्त्रों का आनंदकानन है |	1
(ख)	शकुंतला द्वारा जो श्लोक रचा गया उसकी भाषा संस्कृत थी । अथवा जो श्लोक शंकुतला द्वारा रचा गया उसकी भाषा संस्कृत थी | अथवा जिस श्लोक की रचना शकुंतला द्वारा की गई उसकी भाषा संस्कृत थी ।	1
(ग)	मिश्र वाक्य	1
(घ)	जो पुस्तकालय में मिली थीं |- विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½ =1
(ङ)	पिताजी पूजा-पाठ करते थे और राम-राम लिखते थे।	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	कर्तृवाच्य	1
(ख)	उनके द्वारा सामाजिक छवि को उजागर किया गया।	1
(ग)	भाववाच्य	1
(घ)	निराला ने अनेक गीतों की रचना की।	1
(ङ)	भाववाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(क)	लंगड़ाता हुआ- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'आ रहा था' क्रिया की विशेषता	1
(ख)	खुली– विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'सोच' विशेष्य	1
(ग)	हिरण– संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक	1

(घ)	और– अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'सदाचार' और 'धर्म' पदों को जोड़ने वाला	1
(ङ)	उन्होंने– सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक	1
6.	'अलंकार'' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	रूपक अलंकार	1
(ख)	अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ** - एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल । पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल ।	1
(ग)	उपमा अलंकार	1
(घ)	मानवीकरण अलंकार	1
(ङ)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(क)	(B) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर	1
(ख)	(D) स्वावलंबी	1
(ग)	(C) चशमेवाले का	1
(घ)	(C) (i) और (iv) दोनों	1
(ङ)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।	1
8.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(क)	(D) जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो	1
(ख)	(C) गोपियाँ – कृष्ण	1
(ग)	(B) उद्धव के बताए योग को	1
(घ)	(A) गोपियाँ दिन-रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं।	1
(ङ)	(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।	1

9.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● वात्सल्य की अनुभूति ● निराश मन में आशा का संचार ● कठोर मन में कोमल भावनाओं का प्रवाह (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * कविता के आधार पर कवि की भावनाओं के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ख)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- ● किसी व्यक्ति की सफलता में कई लोगों का योगदान होता है। ● प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी भूमिका और अपना-अपना महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। ● कला माध्यमों में सहायक कलाकारों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है पर साधना, अभ्यास और परिश्रम के बाद भी सम्मान, सराहना और पहचान सिर्फ मुख्य कलाकारों को ही मिलती है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * कविता के आधार पर संगतकार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई <u>**दो**</u> उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- ● अनंत– ईश्वर, आकाश, अंतहीन। बादल ईश्वर की करुणा के प्रतिनिधि, उनके संदेशवाहक के रूप में। आकाश में ही आच्छादित और कभी न खत्म होने वाले अर्थात अंतहीन।	2

	• बरस कर प्यासी-सूखी धरा को जल-प्लावित, हरा-भरा, लोगों के जीवन में सुख-आनंद, सुख-समृद्धि का संचार करने वाले। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा कविता के संदर्भ में बादलों के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • जीवन में अकेलेपन पर • जीवन में सुख के अभाव पर • विशेष उपलब्धियों के न होने पर • स्वप्न के अधूरे रह जाने पर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * सटीक कारण न लिख पाने परंतु कविता के संदर्भ में कवि के जीवन के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • खेतीबाड़ी करना • बहू-बेटे वाला परिवार • साफ-सुथरे मकान में निवास	2

	● गंगा स्नान जाते समय किसी से भिक्षा न लेना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- ● काशी से उनके पूर्वजों का संबंध ● बचपन का जुड़ाव ● काशी में रहकर ही सुर साधना करना और शहनाई-वादन में विश्व में प्रसिद्धि पाना ● काशी की समृद्ध परंपराओं, खानपान, रहन-सहन, गंगा मइया, बालाजी, बाबा विश्वनाथ आदि से जुड़ाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * कोई एक कारण लिखने पर **अथवा** पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त **अंतर** लिखेंगे- ● **संस्कृति** – कल्याणकारी ● **असंस्कृति** – अकल्याणकारी, विध्वंसात्मक, आत्म-विनाशक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त अंतर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * संस्कृति या असंस्कृति एक के संबंध में एक बिंदु लिखने पर अथवा थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर	2

	(1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- ● समझ और साहित्यिक रुचि का विस्तार ● चयन करके पढ़ने की प्रेरणा ● देशप्रेम की भावना को एक दिशा देना ● आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर शीला अग्रवाल के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(क)	परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में अपने व्यक्तिगत विचारों से पक्ष अथवा विपक्ष में उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** ● सर्वथा उचित; बाबूजी का ऐसा व्यवहार बच्चों के खेलों को बिगाड़ने के लिए नहीं बल्कि उनका साथ देने, उनके साथ मित्रवत खेलने के लिए अथवा ● अनुचित; बच्चे अपने मित्रों के साथ अधिक सहज रहते हैं, बड़ों के आने से उनमें संकोच का भाव * दो उपयुक्त बिंदु तर्क सहित विस्तार से लिखने पर (2+2=4 अंक) ------------------------------ * किसी एक बिंदु का विस्तार करने और एक का उल्लेख करने पर (3 अंक) ------------------------------ * दोनों बिंदुओं का संक्षेप में उल्लेख करने पर अथवा * प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न लिख पाने परंतु पाठ के संदर्भ में भोलानाथ के खेलों और बाबूजी के	4

	शामिल होने की घटना का वर्णन करने पर (2 अंक) ------------------------------ * प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न देने परंतु वर्तमान खेलों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर अपने व्यक्तिगत विचारों से **चार** बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • असामाजिक तत्वों से रक्षा का प्रयास • नियमों का ईमानदारी से पालन • स्वच्छ-सुंदर बनाए रखने में सहयोग • क्षेत्र विशेष का भौगोलिक संरक्षण, ऐतिहासिक विरासतों के स्वरूप को बनाए रखने की कोशिश • कचरा प्रबंधन के प्रति स्वयं जागरूक रहकर इसके प्रति जागरूकता फैलाने में सहयोग • पर्यावरण की सुरक्षा * चार उपयुक्त बिंदु विस्तार से लिखने पर (4 अंक) ------------------------------ * केवल तीन उपयुक्त बिंदु लिखने पर **अथवा** किन्हीं दो उपयुक्त बिंदुओं को विस्तार से लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ * केवल दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर **अथवा** किसी एक उपयुक्त बिंदु को विस्तार से लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर **अथवा** पाठ से संबंधित घटना का उल्लेख मात्र करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • प्रत्यक्ष अनुभूति (हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना) से प्राप्त आतंरिक विवशता से मुक्ति के लिए (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	4

	* पाठ का आधार लेकर विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (4 अंक) ------------------------------ * पाठ का आधार लेकर संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ * पाठ से लेखक की जापान यात्रा और हिरोशिमा के प्रसंग का वर्णन कर देने पर (2 अंक) ------------------------------ * हिरोशिमा के अस्पताल अथवा जले पत्थर पर मनुष्य की छाया वाली घटना का उल्लेख करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
12. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** ● प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक ● विषयवस्तु = 3 अंक ● भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** ● उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। ● प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) ● प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। ● भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। ● सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
13. (क)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत अथवा ई-मेल लेखन - **स्ववृत्त-लेखन:** ● प्रारूप = 1 अंक ● विषयवस्तु = 3 अंक ● भाषा-शुद्धता = 1 अंक	5

अथवा (ख)	**विशेष निर्देश :-** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **औपचारिक ई-मेल:** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
14.	**एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन:** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	6
15.	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित :	4

(क) अथवा (ख)	**विज्ञापन - लेखन:** ● रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक ● विषयवस्तु = 2 अंक ● भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** ● विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। ● भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। ● सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन:** ● प्रारूप = 1 अंक ● विषयवस्तु = 2 अंक ● भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** ● संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। ● प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। ● भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	